विद्याश्रमविभूतयः...

सुदक्षः कुलपतिः – सक्षमः विश्वविद्यालयः

मनसि आगता शंका कदाचित् निवारिता कदा वा घनीभूता परं संकल्पेन सर्वसिद्धिः इति निधार्य कठिनतमे अभियाने पदप्रवेशः अपि करणीयः इति। भारतीयप्रमुखविश्वविद्यालयेषु अन्यतमाः ये सुदक्षैः कर्मवीरैः मनिषिभिः नियंत्रिताः, तेषां कुलगुरुणां जीवनचरित्रोपरि इतरेषां पाठकानां ध्यानाकर्षणाय एषा योजना आरभ्यते खलु।

न्यूनात् न्यूनं पंचाशत् तादृशाः यशस्विनः कुलपतयः सूचीबद्धाः येषां शैक्षिकजीवनगाथाः क्रमशः प्रकाशनीयाः एव। श्रृंखलेयं न केवलं संस्कृतप्रेमीणां कृते प्रत्युत सामान्यपाठकवर्गस्य गोचरार्थे उत्सर्गीकृतास्ति। आशासे, ''विश्वस्य वृत्तान्तः'' इति दैनिकं संस्कृतवृत्तपत्रं विभूतीनां यशवर्णने समर्थः स्यात्। पाठकेभ्यः इतरेषां विद्यापीठानां कुलपतीनां परिचयादिकं च कामये, येषां विषये क्रमशः लेखाः प्रकाशिताः भविष्यन्तिः।

- सह-संपादकः डॉ. धनंजय भंजः

सूबीसः – सांची बौद्ध–भारतीय ज्ञानविश्वविद्यालयः
कुलपतिः प्रवरः आचार्यः प्रो. (डॉ) यज्ञेश्वर शास्त्री महाभागः

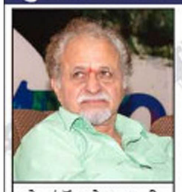

प्रो. (डॉ) यज्ञेश्वर शास्त्री
कुलपतिः

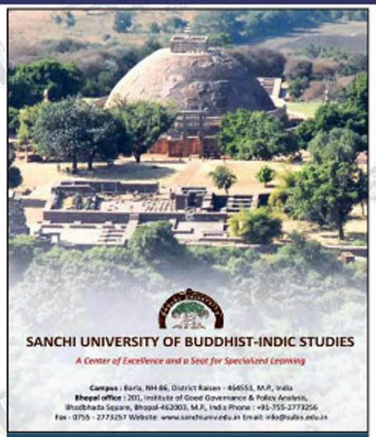

डॉ.अदिति कुमार त्रिपाठी
कुलसचिवः

अन्ताराष्ट्रीयस्तरे ख्यातिसंपन्ने सांचीनगरे विश्वविद्यालये वैश्विक–विद्वुषः चयनं सर्वथा योग्यतममिति मनसि निधार्य राज्यसर्वकारेण आचार्यवर्यः मनोनीताः। अहमदाबादनगरस्थे गुजरातविद्यापीठे कलासंकायस्य निदेशकत्वेन तस्य भूरिगुणगानं न केनापि विस्मृतम्। पारम्परिकभारतीयज्ञानराशिभिः सततं प्रबुद्धः, विदेशेषु दार्शनिकतत्वानां गूढरहस्यानामनावरणाय बहुवारं गतः एषः संप्रति कुलपतिकार्यालये विराजते। नालंदा अन्ताराष्ट्रीये विश्वविद्यालयस्य सोम–ललित वैश्विकविचारमंचस्य सम्माननीयः निदेशकः प्रो.शास्त्री केन्द्रसर्वकारस्य भारतीय दार्शनिक अनुसंधानमंडलस्य प्रवीणः सदस्यरुपेण कार्यरतः विद्यते

सांची। आधुनिके व्यस्तमये संसारसागरे प्राचीनभारतीयतां विस्मृत्य पाश्चात्यव्यवहारेषु कौशलार्जनं प्रति यत्र सर्वेषां रुचिः प्रखरा तत्र मध्यप्रदेश सर्वकारेण ऐतिह्यसंपन्ने सांची नगरे भारतीयतायाः पुनरुत्थानाय, संरक्षणाय, संवर्धनार्थे च महाप्रयत्नः स्वीकृतः, यौक्तिक ज्ञानस्य संस्थापनाय भारतीय भाषा–साहित्य–शास्त्रादीनां प्रखरप्रचार–प्रसारणार्थे च राज्यसर्वकारीय प्रवेश्य सांप्रतं फलदायिनी दृश्यते।

सांचीनगरे स्थापितस्य विश्वविद्यालयस्य सर्वांगविकासे यस्य महत्त्वपूर्णभूमिका अविस्मरणीया स एव प्रो. (डॉ) यज्ञेश्वर एस.शास्त्री महाभागः। आचार्यत्वेन सर्ववदितः, प्रखर वाग्मी, प्रगल्भपुरुषः, एकाधारेण मनिषी एव कथयितुं शक्नुमः।

पारम्परिकसंस्कृतशास्त्रस्य गभीराध्ययने पारंगतः शास्त्री–आचार्यादि पदवीषु अलंकृतः प्रो.शास्त्री मुम्बईविश्वविद्यालयस्य स्नातकः, स्नातकोत्तरः, विद्यावारिधिः इति उपाधिषु भूषितरस्ति।

अन्ताराष्ट्रीयस्तरे ख्यातिसंपन्ने सांचीनगरे विश्वविद्यालये वैश्विक–विद्वुषः चयनं सर्वथा योग्यतममिति मनसि निधार्य राज्यसर्वकारेण आचार्यवर्यः मनोनीताः। अहमदाबादनगरस्थे गुजरातविद्यापीठे कलासंकायस्य निदेशकत्वेन तस्य भूरिगुणगानं न केनापि विस्मृतम्। पारम्परिक भारतीयज्ञानराशिभिः सततं प्रबुद्धः, विदेशेषु दार्शनिकतत्वानां गूढरहस्यानाम–नावरणाय बहुवारं गतः एषः संप्रति कुलपति कार्यालये विराजते। नालंदा अन्ताराष्ट्रीये विश्वविद्यालयस्य सोम–ललित वैश्विकविचार मंचस्य सम्माननीयः निदेशकः प्रो.शास्त्री केन्द्रसर्वकारस्य भारतीय दार्शनिकानुसंधानमंडलस्य प्रवीणः सदस्यरुपेण कार्यरतः विद्यते।

कर्णाटकराज्ये स्वर्णावली महासंस्थाने श्रीशंकराचार्यस्य वरदहस्तेनैव एषः प्रवरः दर्शन विशारदः इति उपाधिना विभूषितः। पुण्यपतनात् श्रीमन्त नानासाहेब पेशवा पुरस्कारेण संवृद्धः तथा एमिनंट सिटीजन ऑफ इंडिया (भारतस्य अतिविशिष्य योग्यः पुत्रः), शान्तिदूतम् इति पुरस्कारैः, पदवीषु च अलंकृतः। २०११ तमेवर्षे प्रो.शास्त्रिणः सम्मान विधिकाले अभिनन्दनग्रन्थः अपि प्रकाशितः यस्य नाम ''वर्ल्ड ऑफ फीलोसोफी – अ हारमोनी'' इति।

अमेरीकायाः लॉस एंजेल्समध्ये लोयोला मेरीमाउंट विश्व विद्यालयपक्षतः आमन्त्रितः प्राच्य दर्शनशास्त्रोपरि तथा हिन्दू वाद–जैनवाद बौद्ध दर्शनादीनां तुलनात्मकाध्ययनं च अनेन कारितम्, अष्टवारं विशेषव्याख्यानं प्रदाय भारतीयतायाः समुज्वलं दृष्टान्तं प्रस्थापितम्।

१९९४–९५ तमवर्षे अमेरीकायाः ओहियो महानगरीये क्लेवलैंडविश्वविद्यालये अपि विशेषाध्यापनं कृतवान्। अमेरीकायाः कालीफोर्णियानगरे (१९९५, १९९८, २००६, २०११, २०१३) अनेकवारं कालीफोर्णिया विश्वविद्यालये प्रशिक्षणं च दत्तवान्।

अनेकेषु राष्ट्रेषु अन्ताराष्ट्रीय सम्मेलनेषु, संस्कृतसंगोष्ठीषु तथा स्वतंत्रव्याख्यानमालाकार्यक्रमेषु प्रो. यज्ञेश्वर शास्त्रीमहाभागाः बहुवारं मुख्यवक्तः, अध्यक्षः तथा प्रमुखस्थानेषु संपूजितः। संस्कृतवाषया सह आंग्लोभाषा–हिन्दी–कन्नड–मराठी–गुजराती भाषासु प्रवीणः। शताधिकाः एम.फिल, पी.एचडी. छात्राः, पं. शास्त्रीमहाभागस्य प्रत्यक्षनेतृत्वे प्रमाणपत्रैः लाभान्विताः, केचन च शिक्षणजगति अवस्थापिताः।

मध्यप्रदेशसर्वकारस्य संस्कृतिः एवं वाणिज्यिककरमन्त्रालये सहायकसचिवः, २००९ तमवर्षे मुख्यमन्त्री उन्नतकार्यकुशलता पुरस्कारेण विभूषितः श्रीमान् अदिति कुमार त्रिपाठी महोदयः सांचीविश्वविद्यालये कुलसचिव रुपेण कार्यरतः, यस्य नेतृत्वे प्रशासनिक क्षेत्रे आमूलचूलं परिवर्त्तनस्य सकारात्मकी संभावना तीव्रा प्रतीयते। विधिशास्त्रे स्नातकः लोकनिर्माण विभागस्य वित्तीयपरामर्शकः तथा संयुक्तनिदेशकः त्रिपाठीमहाभागः विश्वविद्यालयस्य आर्थिक स्वच्छलतां प्रति विशेषध्यानं प्रदधाति।

प्रो.यज्ञेश्वर शास्त्री, श्रीमान् अदिति कुमार त्रिपाठी इत्यनयोः बलिष्ठनेतृत्वे सांचीविश्वविद्यालयः शिखरं स्पृशति, न केवलं मध्यप्रदेशे, न वा भारते अपि तु श्रीलंका–वियेतनामादि परप्रान्तेषु भारतीय ज्ञानराशेः सुदूरप्रसारि योजनादिकं प्रसरति। सांची विश्वविद्यालये प्राचीनभारतस्य ऐतिह्यस्य, परम्परायाः बौद्ध–दर्शनस्य गभीराध्ययनं प्रति अशेषाग्रहत्वं स्पष्टं भवति। आशासे मध्यभारतात् एषः विश्वविद्यालयः अचिरेणैव निधानतां प्राप्य जनमानसे ज्ञानलोकस्य सुस्थापनदिशायां प्रमुखकेन्द्रं भविष्यति।

अनेकेषु राष्ट्रेषु–अन्ताराष्ट्रीयसम्मेलनेषु, संस्कृतसंगोष्ठीषु तथा स्वतंत्रव्याख्यानमालाकार्यक्रमेषु प्रो. यज्ञेश्वर शास्त्रीमहाभागाः बहुवारं मुख्यवक्तः, अध्यक्षः तथा प्रमुखस्थानेषु संपूजितः। संस्कृतवाषया सह आंग्लोभाषा–हिन्दी–कन्नड–मराठी–गुजरातीभाषासु प्रवीणः। शताधिकाः एम.फिल, पी.एचडी. छात्राः, पं. शास्त्रीमहाभागस्य प्रत्यक्षनेतृत्वे प्रमाणपत्रैः लाभान्विताः, केचन च शिक्षणजगति अवस्थापिताः।

पीपुल्स समाचार

2 विश्वस्य वृत्तान्तं

विश्वप्रसिद्धानां दार्शनिकानां प्रतिपंचसु वर्षेषु एकवारं विश्वसंगोष्ठी आयोज्यते। अगस्तमासस्य द्वितीयसप्ताहे बीजींग (चीन) नगरे विश्वदर्शन-कांग्रेसस्य सम्मेलने भारतसर्वकारस्य पक्षतः प्रो. यज्ञेश्वर एस.शास्त्रीमहाभागा राष्ट्रस्य प्रतिनिधित्वं करिष्यति। प्रो. यज्ञेश्वर शास्त्री सांची बौद्ध एवं भारतीय ज्ञानाध्ययनविश्वविद्यालयस्य कुलपतिः एव।

प्रो. यज्ञेश्वर बीजिंग में वर्ल्ड फिलॉसफी कांग्रेस में देंगे व्याख्यान

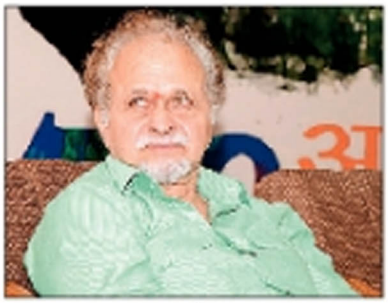

भोपाल। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के कुलपति एवं भारतीय दर्शन व संस्कृत के मर्मज्ञ आचार्य प्रो.यज्ञेश्वर एस शास्त्री वर्ल्ड ऑफ फिलॉसफी कांग्रेस में आमंत्रित किए गए हैं। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के संस्थान भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा चीन के बीजिंग शहर में 13 से 20 अगस्त के मध्य बीच होने वाली चर्चा के लिए नामांकित किया गया है। प्रो.शास्त्री दो राउंड टेबल पैनल में अपना व्याख्यान देंगे। वे ग्लोबल पीस एंड प्रॉस्पेरिटी फ्रॉम बुद्धिस्ट परस्पेक्टिव एंड पीस विषय पर व दूसरे राउंड में कॉन्ट्रिब्यूशन ऑफ एशियन फिलॉस्फर्स टू पीस विद स्पेशल रिफ्रेंस टू अद्वैवेता फिलॉस्फर्स विषय पर अपना व्याख्यान देंगे।

प्रेस विज्ञप्ति

सांची विश्वविद्यालय ने ग्राम बिलारा में आयोजित किया स्वास्थ शिविर

- **विश्वविद्यालय ने गोद लिया गांव बिलारा**
- **क्रीड़ा, योग एवं दक्षता प्रोत्साहन भी है विवि का लक्ष्य**
- **गर्भवती माताओं, किशोरियों और शिशु संबंधी कार्यक्रम से अवगत कराया**
- **क्षय रोगी किशोरी के समस्त ईलाज का खर्च उठाएंगे विवि के कुलपति**
- **विदिशा की सी.एम.ओ डॉ शशि ठाकुर थीं कार्यक्रम की मुख्य अतिथि**
- **कुलपति आचार्य प्रो. यज्ञेश्वर एस. शास्त्री ने किया फल वितरण**

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय द्वारा आज अकादमिक-परिसर के करीब के ही ग्राम बिलारा, पोस्टमखनी-, ज़िला रायसेन में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। सांची विश्वविद्यालय ने इस गांव को गोद लिया है। ग्राम बिलारा के सामुदायिक केंद्र में आयोजित किए गए इस स्वास्थ्य शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामवासियों ने पहुंचकर स्वास्थ संबंधी जानकारियां हासिल कीं।

इस स्वास्थ शिविर के दौरान गांव की बच्चों के स्वास्थ की जांच की गई। गर्भवती 12 महिलाओं और 52 माताओं, किशोरियों और बच्चों को मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रम, शिशु स्वास्थ पोषण कार्यक्रम एवं टीकाकरण की जानकारी प्रदान की गई।

स्वास्थ्य कैंप में मुख्य अतिथि के तौर सम्मिलित विदिशा की सीशशि ठाकुर ने .ओ डॉ.एम. लोगों को मध्य प्रदेश शासन की स्वास्थ्य संबंधी समस्त योजनाओं की जानकारी दी। सांची विश्वविद्यालय ने इस ग्राम में क्रीड़ा, योग, दक्षता प्रोत्साहन एवं स्वच्छता संबंधी जागरूकता को लक्ष्य बनाया है।

इसी के अंतर्गत प्रथम चरण में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान स्वास्थ शिविर में पहुंची एक क्षय रोगी किशोरी के इलाज का समस्त व्यय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो .आचार्य डॉ यज्ञेश्वर एस . शास्त्री ने उठाने का फैसला किया है। इस स्वास्थ शिविर में ग्रामवासियों को क्षय रोग और कुष्ठ रोगों के संभावित रोगियों को उपचार के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान कुलपति आचार्य प्रो .शशि ठाकुर ने फल वितरण भी किया। विश्वविद्यालय की डॉ .यज्ञेश्वर एस शास्त्री एवं मुख्य अतिथि डॉ . रितु सक्सेना और डॉ अंजलि दुबे एवं नर्सिंग स्टाफ सहित समस्त कर्मचारियों ने शिविर के आयोजन में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

रायसेन भास्कर

भोपाल, रविवार 05 अगस्त, 2018 श्रावण कृष्ण पक्ष-9, 2075

अब गांव का विकास | राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के पत्र के बाद उठाया कदम,लगाया स्वास्थ्य शिविर

सांची विवि ने बिलारा गांव को लिया गोद

भास्कर संवाददाता | रायसेन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक भारत श्रेष्ठ भारत की थीम और राज्यपाल के पत्र के बाद सांची विश्व विद्यालय ने बिलारा गांव को गोद लिया है। इसको लेकर अब विश्व विद्यालय वहां स्वास्थ्य, शिक्षा, संस्कार, देश भक्ति, रोजगार,पोषण, कुटीर उद्योग और कौशल उन्नयन पर फोकस कर ग्रामीणों का जीवन स्तर ऊपर उठाने का प्रयास करेगा।

जानकारी के मुताबिक 500 की आबादी वाले बिलारा गांव में माध्यमिक स्कूल है। यहां के बच्चों को संस्कृति और देश भक्ति की बातें सिखाने के लिए संस्कार केंद्र गांव में बनाने की बात कही गई है। वहां युवाओं को कौशल उन्नयन को लेकर प्रशिक्षण दिए जाएंगे।

शनिवार को रखा गया स्वास्थ्य शिविर : बिलारा गांव को गोद लेने के बाद शनिवार को पहली बार वहां स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। गांव के सामुदायिक भवन में सांची विविके कुलपति डॉ यज्ञेश्वर शास्त्री और विदिशा सीएमएचओ डॉ शशि ठाकुर शिविर में मौजूद थीं। वहां डॉक्टरों द्वारा बच्चों, महिलाओं और गांव के लोगों को निशुल्क चेकअप किया गया। साथ ही उन्हें आवश्यक दवाइयां भी निशुल्क बांटी गईं। विवि के एक्जीक्यूटिव इंजीनियर विवेक तिवारी भी मौजूद थे।

खेलो इंडिया के तहत सिखाए जाएंगे खेल

सांची विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ यज्ञेश्वर शास्त्री ने बताया के प्रधान मंत्री के खेलो इंडिया अभियान के तहत हम भी बिलारा गांव के बच्चों को खेलों के लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराएंगे। साथ ही खेल शिक्षकों द्वारा उन्हें खेलों का प्रशिक्षण भी दिलवाएंगे।

कंप्यूटर अवेयरनेस, योग और उद्यानिकी भी सिखाएंगे

विश्वविद्यालय के कुलपति श्री शास्त्री ने बताया कि बिलारा गांव के बच्चों को कंप्यूटर के बारे में जानकारी मिले और वे इनका उपयोग समझे इसके लिए हम उन्हें सांची विश्वविद्यालय के कंप्यूटर केंद्र पर भ्रमण कराकर जरूरी जानकारी देंगे। इससे उनका अभी से कंप्यूटर के उपयोग के तरफ रुझान बढ़ सके। इसके अलावा वहां योग शिक्षक बच्चों को योग सिखाएंगे। साथ ही घरों में सब्जियां उगाने की तरीके भी ग्रामीण महिलाओं को बताएं जाएंगे।

रायसेन पत्रिका

SUNDAY पत्रिका रविवार, 05 अगस्त, 2018

शिविर लगाकर किया स्वास्थ्य परीक्षण

सांची विश्वविद्यालय ने गोद लिया ग्राम बिलारा

शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर स्वास्थ संबंधी जानकारी हासिल कीं

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

सांची. बौद्ध एवं भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय ने शनिवार को ग्राम बिलारा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। सांची विश्वविद्यालय ने इस गांव को गोद लिया है।

सांची. शिविर में पहुंचे ग्रामीणों का किया परीक्षण।

गांव के सामुदायिक भवन में आयोजित किए गए स्वास्थ्य शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर स्वास्थ संबंधी जानकारियां हासिल कीं। साथ ही 52 महिलाओं और 12 बच्चों के स्वास्थ की जांच की गई। गर्भवती माताओं, किशोरियों और बच्चों को मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रम, शिशु स्वास्थ पोषण कार्यक्रम एवं टीकाकरण की जानकारी दी गई। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में विदिशा की सीएमएचओ डॉ. शशि ठाकुर ने लोगों को मध्य प्रदेश शासन की स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं की जानकारी दी। विश्वविद्यालय ने इस गांव में योग, दक्षता प्रोत्साहन एवं स्वच्छता संबंधी जागरुकता को लक्ष्य बनाया है। इसी के अंतर्गत प्रथम चरण में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान स्वास्थ शिविर में पहुंची एक क्षय रोगी किशोरी के इलाज का समस्त व्यय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आचार्य डॉ. यग्नेश्वर एस. शास्त्री ने उठाने का फैसला किया। शिविर में ग्रामीणों को क्षय रोग और कुष्ठ रोगों के संभावित रोगियों को उपचार के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। शिविर में डॉ. रितु सक्सेना और डॉ. अंजलि दुबे एवं नर्सिंग स्टाफ ने सहयोग किया।

RNI No. : GUJSAN/2011/39893

विश्वस्य वृत्तान्तं

दिनाङ्कम् : ०७ अगस्त २०१८, मंगलवासरः

राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल–मार्गदर्शनोपरान्त सांची विश्वविद्यालयेन बिलाराग्रामस्य विकासः निश्चितः

ग्रामीणेषु संगणकीय-सुविधा, योग्याभ्यासः, उद्याननिर्माणादि विषयेषु सततं प्रशिक्षणं च लप्स्यते। सांची विश्व विद्यालयस्य संगणक प्रयोगशालायां बिलाराग्रामबालानां कृते विशेष परिदर्शनाय आयोजनं च भविष्यति

(विश्वस्य वृत्तान्तम्) रायसेन। प्रधानमन्त्रिणः नरेन्द्र मोदिनः आह्वानक्रमे स्वच्छं भारतम् एवम् एकं भारतं – श्रेष्ठ भारतमिति अभियानोपरि मध्यप्रदेशस्य राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल महाभागायाः विशेषपत्रेण प्रेरितः सांची बौद्ध–भारतीयज्ञानम् अध्ययनविश्वविद्यालयः संप्रति बिलाराग्रामपदस्य सामूहिक विकासाय वचनबद्धः।

गतदिवसे बिलाराग्रामे ५०० परिवाराणां सदस्यानां जीवनविकासाय विशेषस्वास्थ्यं शिविरम् आयोजितं यत्र कुलपतिः प्रो.शाखी, विदिशागंडलस्य

द्रष्टव्यम् पृष्ठांकः ३

पृष्ठांकः १ तः...

राज्यपाल आनन्दीबेन...

मुख्यस्वास्थ्याधिकारी डॉ. शशि ठाकुरः विश्वविद्यालयस्य कार्यकारीयंत्री विवेक तिवारी उपस्थिताः आसन्।

अस्मिन् अवसरे मान्यवरः कुलपतिः उक्तवान् यत् केन्द्र सर्वकारस्य नूतननियमस्य 'खेलो इन्डिया' इत्यस्य आयोजनवत् बिलाराग्रामवासीनां कृते 'खेल शिशु' इति च प्रचलिष्यति। क्रीडायाः, शिक्षायाः, स्वास्थ्यस्य विकासं प्रति विशेषध्यानं च दास्यते। ग्रामीणेषु संगणकीय–सुविधा, योग्याभ्यासः, उद्याननिर्माणादिविषयेषु सततं प्रशिक्षणं च लप्स्यते। सांची विश्वविद्यालयस्य संगणकप्रयोगशालायां बिलाराग्रामबालानां कृते विशेष परिदर्शनाय आयोजनं च भविष्यति। योग्यशिक्षकैः छात्राः शारीरिकसौष्ठवं प्रति जागरुकाः स्युः। ग्रामीणमहिलाः उद्यानकर्मसु प्रशिक्षिताः भविष्यन्ति। बिलाराग्रामस्य सामुदायिकभवने सुसंपन्ने कार्यक्रमे प्रो. यज्ञेश्वर शाखी सूचितवान् यत् निःशुल्कं स्वास्थ्यपरीक्षणाभियानेन ग्रामजनाः निरोगजीवनं प्रति आकृष्टाः भवन्ति।

सांची विश्वविद्यालय ने गोद लिया बिलारा गांव

By India City News, 4 August, 2018, 20:01

विदिशा की सी.एम.ओ डॉ शशि ठाकुर मुख्य आतिथ्य में,कुलपति आचार्य प्रो. यज्ञेश्वर एस. शास्त्री ने किया फल वितरण

indiacitynews. com

रायसेन। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय द्वारा आज अकादमिक परिसर के करीब के ही ग्राम बिलारा, पोस्ट-मखनी, ज़िला रायसेन में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। सांची विश्वविद्यालय ने इस गांव को गोद लिया है। ग्राम बिलारा के सामुदायिक केंद्र में आयोजित किए गए इस स्वास्थ्य शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामवासियों ने पहुंचकर स्वास्थ संबंधी जानकारियां हासिल कीं।

इस स्वास्थ शिविर के दौरान गांव की 52 महिलाओं और 12 बच्चों के स्वास्थ की जांच की गई। गर्भवती माताओं, किशोरियों और बच्चों को मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रम, शिशु स्वास्थ पोषण कार्यक्रम एवं टीकाकरण की जानकारी प्रदान की गई।

स्वास्थ्य कैंप में मुख्य अतिथि के तौर सम्मिलित विदिशा की सी.एम.ओ डॉ. शशि ठाकुर ने लोगों को मध्य प्रदेश शासन की स्वास्थ्य संबंधी समस्त योजनाओं की जानकारी दी। सांची विश्वविद्यालय ने इस ग्राम में क्रीड़ा, योग, दक्षता प्रोत्साहन एवं स्वच्छता संबंधी जागरूकता को लक्ष्य बनाया है।

इसी के अंतर्गत प्रथम चरण में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान स्वास्थ शिविर में पहुंची एक क्षय रोगी किशोरी के इलाज का समस्त व्यय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आचार्य डॉ यज्ञेश्वर एस. शास्त्री ने उठाने का फैसला किया है।

इस स्वास्थ शिविर में ग्रामवासियों को क्षय रोग और कुष्ठ रोगों के संभावित रोगियों को उपचार के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान कुलपति आचार्य प्रो. यज्ञेश्वर एस शास्त्री एवं मुख्य अतिथि डॉ. शशि ठाकुर ने फल वितरण भी किया। विश्वविद्यालय की डॉ. रितु सक्सेना और डॉ अंजलि दुबे एवं नर्सिंग स्टाफ सहित समस्त कर्मचारियों ने शिविर के आयोजन में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

Source !! जनसंपर्क विभाग सांची विश्वविद्यालय बारला रायसेन

किशोरियों, गर्भवती व माताओं को दी जानकारी

Publish Date:Mon, 06 Aug 2018 04:05 AM (IST)

सांची विश्वविद्यालय ने ग्राम बिलारा में आयोजित किया स्वास्थ शिविर फोटो : 05 आरएसएन-09 रायसेन। ग्राम बिलारा में आयोजित किया स्वास्थ्य शिविर। रायसेन। नवदुनिया न्यूज सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय द्वारा आज अकादमिक परिसर के करीब के ही ग्राम बिलारा, पोस्ट-मखनी रायसेन में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। सांची विश्वविद्यालय ने इस गांव को गा

सांची विश्वविद्यालय ने ग्राम बिलारा में आयोजित किया स्वास्थ शिविर

फाटा : 05 आरएसएन-09

रायसेन। ग्राम बिलारा में आयोजित किया स्वास्थ्य शिविर।

रायसेन। नवदुनिया न्यूज

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय द्वारा आज अकादमिक परिसर के करीब के ही ग्राम बिलारा, पोस्ट-मखनी रायसेन में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। सांची विश्वविद्यालय ने इस गांव को गोद लिया है। ग्राम बिलारा के सामुदायिक केंद्र में आयोजित किए गए इस स्वास्थ्य शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामवासियों ने पहुंचकर स्वास्थ संबंधी जानकारियां हासिल की। इस स्वास्थ शिविर के दौरान गांव की 52 महिलाओं और 12 बधों के स्वास्थ की जांच की गई। गर्भवती माताओं, किशोरियों और बधों को मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रम, शिशु स्वास्थ पोषण कार्यक्रम एवं टीकाकरण की जानकारी प्रदान की गई।

स्वास्थ्य कैंप में मुख्य अतिथि के तौर सम्मिलित विदिशा की सीएमओ डॉ. शशि ठाकुर ने लोगों को मध्य प्रदेश शासन की स्वास्थ्य संबंधी समस्त योजनाओं की जानकारी दी। सांची विश्वविद्यालय ने इस ग्राम में क्रीड़ा, योग, दक्षता प्रोत्साहन एवं स्वच्छता संबंधी जागरूकता को लक्ष्य बनाया है। इसी के अंतर्गत प्रथम चरण में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान स्वास्थ शिविर में पहुंची एक क्षय रोगी किशोरी के इलाज का समस्त व्यय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आचार्य डॉ यज्ञेश्वर एस. शास्त्री ने उठाने का फैसला किया है।

इस स्वास्थ शिविर में ग्रामवासियों को क्षय रोग और कुष्ठ रोगों के संभावित रोगियों को उपचार के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान कुलपति आचार्य प्रो. यज्ञेश्वर एस शास्त्री एवं मुख्य अतिथि डॉ. शशि ठाकुर ने फल वितरण भी किया। विश्वविद्यालय की डॉ. रितु सक्सेना और डॉ अंजलि दुबे एवं नर्सिंग स्टाफ सहित समस्त कर्मचारियों ने शिविर के आयोजन में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

सांची विश्वविद्यालय में हर्षोल्लास से मना स्वतंत्रता दिवस

- कुलसचिव श्री अदिति कुमार त्रिपाठी ने किया ध्वजारोहण
- ऐष धर्म: सनातन्: है अशोक चक्र का संदेश
- सांची विश्वविद्यालय का भी सूत्र वाक्य है ऐष धर्म: सनातन्:
- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री अमर सिंह ने दिया विशेष संदेश

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के बारला अकादमिक परिसर में 72वें स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण किया गया। कुलसचिव श्री अदिति कुमार त्रिपाठी ने राष्ट्रध्वज फहराने के फहराने के बाद तिरंगे के तीनों रंगों की व्याख्या करते हुए बताया कि तिरंगे की सफेद पट्टी पर बना अशोक चक्र ***ऐष धर्म: सनातन्:*** का संदेश देता है जो कि सांची विश्वविद्यालय का भी सूत्र वाक्य है। उन्होंने कहा कि ***ऐष धर्म: सनातन्:*** देश वासियों को परस्पर सहानुभूति की शिक्षा देता है। जिसका मुख्य संदेश यह है कि **बैर को बैर से समाप्त नहीं किया जा सकता बल्कि बैर(वैमनस्य) को मात्र प्रेम(अवैमनस्य)से ही खत्म किया जा सकता है** और ***ऐष धर्म: सनातन:*** सांची विश्वविद्यालय का मूल सूत्र भी है। समारोह में मुख्य अतिथि 91 वर्ष के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री अमर सिंह जी ने कहा कि हमने आहूतियां देकर कीमत चुकाई है और आज़ादी के लिए खुदीराम बोस, अशफाकुल्ला, भगत सिंह इत्यादि ने बेहद संघर्ष किया है इसे हमें व्यर्थ नहीं गंवाना है। श्री अमर सिंह ने देश की आज़ादी के लिए क्रांतिकारियों के साथ विंध्य और बुंदेलखंड के इलाकों में संघर्ष किया था और आप इंदौर और भोपाल की जेल में अंग्रेज़ों द्वारा कैदी भी बनाए गए थे।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के मौके पर ग्राम बिलारा के स्कूली बच्चों ने भी शिरकत कर विश्वविद्यालय में एक संगीतमय कार्यक्रम प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय द्वारा ग्राम बिलारा को गोद लिया गया है। विश्वविद्यालय की छात्राओं ने भी राष्ट्रभक्ति से भरपूर गीतों को प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय के डीन डॉ नवीन मेहता ने बताया कि देश संस्कृत भाषा के मूल शब्ध दिशा से बना है। उन्होंने यह भी व्याख्यायित किया कि भारत शब्द भरत से बना है जिसका अर्थ अग्नि से है। भारत का एक अर्थ उन्होंने यह भी बताया कि जो ज्ञान में लीन हो। उनका कहना था कि अखंड भारत का उद्देश्य अध्यात्म और सांस्कृतिक रूप से संवृद्धि करना है। धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक श्री हरीश चंद्रवंशी ने दिया एवं संचालन बौद्ध दर्शन विभाग के प्राध्यापक श्री मुकेश वर्मा ने किया।

Secure | https://m.dailyhunt.in/news/india/hindi/hindusthan+samachar-epaper-hindusam/sanchi+vishvavidyalay+me+harshollas+se

dailyhunt NEWS

मध्य प्रदेश

सांची विश्वविद्यालय में हर्षोल्लास से मना स्वतंत्रता दिवस

भोपाल, 15 अगस्त (हि.स.)। सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के बारला अकादमिक परिसर में स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण किया गया। कुलसचिव अदिति कुमार त्रिपाठी ने राष्ट्रध्वज फहराने के फहराने के बाद तिरंगे के तीनों रंगों की व्याख्या करते हुए बताया कि तिरंगे की सफेद पट्टी पर बना अशोक चक्र ऐष धर्म: सनातन्: का संदेश देता है जो कि सांची विश्वविद्यालय का भी सूत्र वाक्य है। उन्होंने कहा कि ऐष धर्म: सनातन्: देश वासियों को परस्पर सहानुभूति की शिक्षा देता है। जिसका मुख्य संदेश यह है कि बैर को बैर से समाप्त नहीं किया जा सकता बल्कि बैर (वैमनस्य) को मात्र प्रेम (अवैमनस्य)से ही खत्म किया जा सकता है और ऐष धर्म: सनातन: सांची विश्वविद्यालय का मूल सूत्र भी है। समारोह में मुख्य अतिथि 91 वर्ष के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अमर सिंह जी ने कहा कि हमने आहूतियां देकर कीमत चुकाई है और आज़ादी के लिए खुदीराम बोस, अशफाकुल्ला, भगत सिंह इत्यादि ने बेहद संघर्ष किया है इसे हमें व्यर्थ नहीं गंवाना है। श्री अमर सिंह ने देश की आज़ादी के लिए क्रांतिकारियों के साथ विंध्य और बुंदेलखंड के इलाकों में संघर्ष किया था और आप इंदौर और भोपाल की जेल में अंग्रेज़ों द्वारा कैदी भी बनाए गए थे। स्वतंत्रता दिवस समारोह के मौके पर ग्राम बिलारा के स्कूली बच्चों ने भी शिरकत कर विश्वविद्यालय में एक संगीतमय कार्यक्रम प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय द्वारा ग्राम बिलारा को गोद लिया गया है।

विश्वविद्यालय की छात्राओं ने भी राष्ट्रभक्ति से भरपूर गीतों को प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय के डीन डॉ नवीन मेहता ने बताया कि देश संस्कृत भाषा के मूल शब्ध दिशा से बना है। उन्होंने यह भी व्याख्यायित किया कि भारत शब्द भरत से बना है जिसका अर्थ अग्नि से है। भारत का एक अर्थ उन्होंने यह भी बताया कि जो ज्ञान में लीन हो।

उनका कहना था कि अखंड भारत का उद्देश्य अध्यात्म और सांस्कृतिक रूप से संवृद्धि करना है। हिन्दुस्थान समाचार /राजू/सुनीत

Dailyhunt

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

"दिमाग़ के तंतु जागृत कर देती है संस्कृत"

सांची विश्वविद्यालय में संस्कृत दिवस का आयोजन

- **"मृत और ब्राह्मणों की भाषा नहीं है संस्कृत"- कुलपति डॉशास्त्री .**
- **"आम लोगों के ही सहयोग से रामायण और महाभारत जैसे ग्रंथ रचे गए"**
- **"पुन: अपना गौरव हासिल कर लेगी संस्कृत"- डॉशास्त्री .**
- **"अंग्रेज़ों ने हमारे ग्रंथों को नष्ट कर दिया"आचार्य अभय कात्यायन -**
- **"संस्कृत से निकली भाषाओं का गहन अध्ययन ज़रूरी है"आचार्य अभय कात्यायन -**

सांची बौद्धभारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में आज संस्कृत दिवस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के -.कुलपति आचार्य डॉयज्ञेश्वर शास्त्री ने संस्कृत दिवस के मौके पर विश्वविद्यालय के छात्रों एवं कर्मचारियों को संस्कृत में ही संबोधित किया। कुलपति डॉ शास्त्री ने कहा कि संस्कृत, मृत और ब्राह्मणों की भाषा नहीं है तथा रामायण और महाभारत जैसे महान ग्रंथों की रचना आम व्यक्तियों के सहयोग से ही हो सकी है। उन्होंने कहा कि आम बोलाचाल में उपयोग बढ़ जाने पर यह फिर अपना गौरव हासिल कर लेगी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आचार्य अभय कात्यायन ने कहा कि "अंग्रेज़ों ने हमारे ग्रेंथों को नष्ट कर दिया"। उनका कहना था कि बाइबल में भी एक देश और एक भाषा बोलने वालों का वर्णन है और हमें अपनी भाषा और अपने ग्रंथ पढ़ने चाहिए। उनका कहना था कि अल्पज्ञान ने ही भाषाओं को नुकसान पहुंचाया है। आचार्य अभय कात्यायन ने कहा कि संस्कृत से निकली भाषाओं का गहन अध्ययन आवश्यक है आचार्य कात्यायन संस्कृत के अलावा हिंदी, अंग्रेज़ी, पाली, सिंहली, फ्रेंच, तिब्बती भाषाओं के भी ज्ञाता हैं। सांची विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री अदिति कुमार त्रिपाठी ने ज्ञान के नए सूत्र खोजे जाने पर ज़ोर दिया।

विश्वविद्यालय के डीन डॉ नवीन मेहता ने बताया कि शोध में यह बात सामने आई है कि संस्कृत का उपयोग करने से दिमाग के तंतु जागृत होते हैं। संस्कृत दिवस पर विश्वविद्यालय में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें निबंध प्रतियोगिता, छंद पाठ प्रतिस्पर्धा, श्लोक पाठ प्रतिस्पर्धा और व्याख्यानमाला शामिल थे। **"योग: कर्म कौशल"** तथा **"भारत की प्रतिष्ठा के लिए संस्कृत और संस्कृति की आवश्यकता"** जैसे विषयों पर निबंध लेखन आयोजित किया गया। भगवद गीता के द्वितीय अध्याय पर उल्लेखित श्लोकों पर आधारित श्लोकपाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई। डॉ नवीन दीक्षित ने संस्कृत और समाज का अपनी दृष्टि से अध्ययन करने पर ज़ोर दिया।

सांची विश्वविद्यालय में संस्कृत दिवस का

दिमाग के तंतु खुल जाते हैं संस्कृत के उपयोग से

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रायसेन. सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में मंगलवार को संस्कृत दिवस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. यज्ञेश्वर शास्त्री ने इस मौके पर विश्वविद्यालय के छात्रों एवं कर्मचारियों को संस्कृत में ही संबोधित किया। कुलपति ने कहा कि रामायण और महाभारत जैसे महान ग्रंथों की रचना आम व्यक्तियों के सहयोग से ही हो सकी है। उन्होंने कहा कि आम बोलाचाल में उपयोग बढ़ जाने पर यह फिर अपना गौरव हासिल कर लेगी।

रायसेन. कार्यक्रम में उपस्थिततों ने बताई संस्कृत की विशेषता।

मुख्य अतिथि आचार्य अभय कात्यायन ने कहा अंग्रेजों ने हमारे ग्रंथों को नष्ट कर दिया। बाइबल में भी एक देश और एक भाषा बोलने वालों का वर्णन है और हमें अपनी भाषा और अपने ग्रंथ पढ़ने चाहिए। उनका कहना था कि अल्पज्ञान ने ही भाषाओं को नुकसान पहुंचाया है। विश्वविद्यालय के डीन डॉ. नवीन मेहता ने बताया कि शोध में यह बात सामने आई है कि संस्कृत का उपयोग करने से दिमाग के तंतु जागृत होते हैं। संस्कृत दिवस पर विश्वविद्यालय में कई कार्यक्र म आयोजित किए गए। इनमें निबंध प्रतियोगिता, छंद पाठ, श्लोक पाठ प्रतिस्पर्धा और व्याख्यानमाला शामिल थे। योग, कर्म कौशल तथा भारत की प्रतिष्ठा के लिए संस्कृत और संस्कृति की आवश्यकता जैसे विषयों पर निबंध लेखन आयोजित किया गया। भगवद गीता के द्वितीय अध्याय पर उल्लेखित श्लोकों पर आधारित श्लोकपाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई।

city भास्कर

BHOPAL, WEDNESDAY, 29/08/2018 . 21

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में संस्कृत दिवस पर कार्यक्रम में डॉ. मेहता ने कहा-

संस्कृत ऐसी भाषा है, जिसके प्रयोग से दिमाग के तंतु जागृत होते हैं

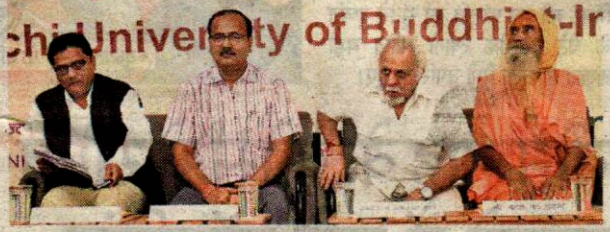

सिटी रिपोर्टर | सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में मंगलवार को संस्कृत दिवस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य डॉ. यज्ञेश्वर शास्त्री ने संस्कृत दिवस के मौके पर विश्वविद्यालय के स्टूडेंट्स से चर्चा करते हुए कहा कि संस्कृत मृत और ब्राह्मणों की भाषा नहीं है। रामायण और महाभारत जैसे महान ग्रंथों की रचना आम व्यक्तियों के सहयोग से ही हो सकी है। मुख्य अतिथि आचार्य अभय कात्यायन ने कहा कि अंग्रेजों ने हमारे ग्रंथों को नष्ट कर दिया। हमें अपनी भाषा और अपने ग्रंथ पढ़ने चाहिए। डीन डॉ. नवीन मेहता ने बताया कि शोध में यह बात सामने आई है कि संस्कृत का उपयोग करने से दिमाग के तंतु जागृत होते हैं। संस्कृत दिवस पर विश्वविद्यालय में निबंध प्रतियोगिताएं, छंद पाठ प्रतिस्पर्धा, और व्याख्यानमाला शामिल थे।

भोपाल, 29 अगस्त 2018
www.jagranmp.com/epaper
दैनिक जागरण

मृत और ब्राह्मणों की भाषा नहीं है संस्कृत

जागरण रिपोर्टर । सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में मंगलवार को संस्कृत दिवस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य डॉ. यज्ञेश्वर शास्त्री ने संस्कृत दिवस के मौके पर विश्वविद्यालय के छात्रों एवं कर्मचारियों को संस्कृत में ही संबोधित किया। डॉ. शास्त्री ने कहा कि संस्कृत, मृत और ब्राह्मणों की भाषा नहीं है तथा रामायण और महाभारत जैसे महान ग्रंथों की रचना आम व्यक्तियों के सहयोग से ही हो सकी है। उन्होंने कहा कि आम बोलाचाल में उपयोग बढ़ जाने पर यह फिर अपना गौरव हासिल कर लेगी।

अंग्रेजों ने हमारे ग्रंथों को नष्ट किया: कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आचार्य अभय कात्यायन ने कहा कि अंग्रेजों ने हमारे ग्रंथों को नष्ट कर दिया। उनका कहना था कि बाइबल में भी एक देश और एक भाषा बोलने वालों का वर्णन है और हमें अपनी भाषा और अपने ग्रंथ पढ़ने चाहिए। उनका कहना था कि अल्पज्ञान ने ही भाषाओं को नुकसान पहुंचाया है। आचार्य अभय कात्यायन ने कहा कि संस्कृत से निकली भाषाओं का गहन अध्ययन आवश्यक है। आचार्य कात्यायन संस्कृत के अलावा हिंदी, अंग्रेजी, पाली, सिंहली, फ्रेंच, तिब्बती भाषाओं के भी ज्ञाता हैं। सांची विश्वविद्यालय के कुलसचिव अदिति कुमार त्रिपाठी ने ज्ञान के नए सूत्र खोजे जाने पर जोर दिया।

BHOPAL, WEDNESDAY
भेल 29/08/2018
पत्रिका PLUS

सांची विश्वविद्यालय में संस्कृत दिवस का आयोजन

संस्कृत से निकली भाषाओं का अध्ययन जरूरी

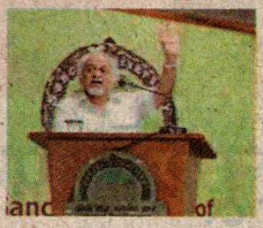

भोपाल ◆ सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि में मंगलवार को संस्कृत दिवस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य डॉ. यज्ञेश्वर शास्त्री ने इस मौके पर विवि के छात्रों एवं कर्मचारियों को संस्कृत में संबोधित किया। उन्होंने कहा कि संस्कृत, मृत और ब्राह्मणों की भाषा नहीं है। उन्होंने कहा कि आम बोलाचाल में उपयोग बढ़ जाने पर यह फिर अपना गौरव हासिल कर सकती है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आचार्य अभय कात्यायन ने कहा कि अंग्रेजों ने हमारे ग्रंथों को नष्ट कर दिया। बाईबल में भी एक देश और एक भाषा बोलने वालों का वर्णन है और हमें अपनी भाषा और अपने ग्रंथ पढ़ने चाहिए। अल्पज्ञान ने ही भाषाओं को नुकसान पहुंचाया है। संस्कृत से निकली भाषाओं का गहन अध्ययन आवश्यक है। विवि के डीन डॉ. नवीन मेहता ने बताया कि शोध में यह बात सामने आई है कि संस्कृत का उपयोग करने से दिमाग के तंतु जागृत होते हैं।

हर फील्ड में उपयोगी है संस्कृत भाषा

भोपाल ◆ राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान में चल रहे संस्कृत सप्ताह का मंगलवार को समापन हो गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्थान के संस्थापक पूर्व प्राचार्य प्रो. आजाद मिश्र थे। इस अवसर पर प्रो. आजाद मिश्र ने कहा कि संस्कृत भाषा के गौरव को और बढ़ाना चाहिए। इस भाषा को रूढ़ और जटिल नहीं समझा जाना चाहिए। संस्कृत ग्रंथों के गहन अध्ययन से यह पता चलता है कि इसका व्याकरण कितना सुविधाजनक है तथा शब्दकोश कितना भाव सम्प्रेषी है। डॉ. प्रभुदयाल मिश्र ने कहा कि संस्कृत को जनभाषा के रूप में अपनाए जाना चाहिए। साथ ही इसका प्रयोग प्रबंधन, विज्ञान आदि सभी क्षेत्रों में होना चाहिए, इससे सभी लाभांवित होंगे।

Secure | https://naidunia.jagran.com/madhya-pradesh/raisen-raisen-news-2540904

बोलाचाल में उपयोग होने से फिर गौरव हासिल करेगी संस्कृत

Publish Date:Wed, 29 Aug 2018 07:38 AM (IST)

संस्कृत दिवस को लेकर हुए कार्यक्रम में सांची विवि के कुलपति डॉ. शास्त्री ने कहा फोटो 28 आरएसएन 09 रायसेन। सांची विश्वविद्यालय में संस्कृत दिवस का आयोजन। रायसेन। नवदुनिया प्रतिनिधि सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में मंगलवार को संस्कृत दिवस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य डॉ. यज्ञेश्वर शास्त्री ने संस्कृत दिवस के

संस्कृत दिवस को लेकर हुए कार्यक्रम में सांची विवि के कुलपति डॉ. शास्त्री ने कहा

फोटो 28 आरएसएन 09

रायसेन। सांची विश्वविद्यालय में संस्कृत दिवस का आयोजन।

रायसेन। नवदुनिया प्रतिनिधि

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में मंगलवार को संस्कृत दिवस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य डॉ. यज्ञेश्वर शास्त्री ने संस्कृत दिवस के मौके पर विश्वविद्यालय के छात्रों एवं कर्मचारियों को संस्कृत में ही संबोधित किया। कुलपति डॉ.शास्त्री ने कहा कि रामायण और महाभारत जैसे महान ग्रंथों की रचना आम व्यक्तियों के सहयोग से ही हो सकी है। उन्होंने कहा कि आम बोलाचाल में उपयोग बढ़ जाने पर यह फिर अपना गौरव हासिल कर लेगी। सांची विश्वविद्यालय के कुलसचिव अदिति कुमार त्रिपाठी ने ज्ञान के नए सूत्र खोजे जाने पर जोर दिया। विश्वविद्यालय के डीन डॉ नवीन मेहता ने बताया कि शोध में यह बात सामने आई है कि संस्कृत का उपयोग करने से दिमाग के तंतु जागृत होते हैं। संस्कृत दिवस पर विश्वविद्यालय में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें निबंध प्रतियोगिता, छंद पाठ प्रतिस्पर्धा, श्लोक पाठ प्रतिस्पर्धा और व्याख्यानमाला शामिल थे। योग कर्म कौशल तथा भारत की प्रतिष्ठा के लिए संस्कृत और संस्कृति की आवश्यकता जैसे विषयों पर निबंध लेखन आयोजित किया गया। भगवद गीता के द्वितीय अध्याय पर उल्लेखित श्लोकों पर आधारित श्लोकपाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई। डॉ नवीन दीक्षित ने संस्कृत और समाज का अपनी दृष्टि से अध्ययन करने पर जोर दिया।

सांध्य दैनिक
गुड इवनिंग
इंदौर-भोपाल से प्रकाशित
भोपाल, गुरुवार 30 अगस्त 2018

आयोजन

अंग्रेजों ने हमारे ग्रंथों को नष्ट किया : आचार्य कात्यायन

भारत की प्रतिष्ठा के लिए संस्कृति की आवश्यकता

गुड इवनिंग, भोपाल

संस्कृत, मृत और ब्राह्मणों की भाषा नहीं है तथा रामायण और महाभारत जैसे महान ग्रंथों की रचना आम व्यक्तियों के सहयोग से ही हो सकी है। आम बोलचाल में उपयोग बढ़ जाने पर संस्कृत भाषा फिर अपना गौरव हासिल कर लेगी। यह कहना है सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य डॉ. यज्ञेश्वर शास्त्री का। उन्होंने यह उद्‌गार विश्वविद्यालय में आयोजित संस्कृत दिवस समारोह में संस्कृत में व्यक्त किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आचार्य अभय कात्यायन ने कहा कि अंग्रेजों ने हमारे ग्रंथों को नष्ट कर दिया।

उनका कहना था कि बाइबल में भी एक देश और एक भाषा बोलने वालों का वर्णन है और हमें अपनी भाषा और अपने ग्रंथ पढ़ने चाहिए। उनका कहना था कि अल्पज्ञान ने

ही भाषाओं को नुकसान पहुंचाया है। आचार्य अभय कात्यायन ने कहा कि संस्कृत से निकली भाषाओं का गहन अध्ययन आवश्यक है आचार्य कात्यायन संस्कृत के अलावा हिंदी, अंग्रेजी, पाली, सिंहली, फ्रेंच, तिब्बती भाषाओं के भी ज्ञाता हैं। सांची विश्वविद्यालय के कुलसचिव अदिति कुमार त्रिपाठी ने ज्ञान के नए सूत्र खोजे जाने पर जोर दिया। विश्वविद्यालय के डीन डॉ नवीन मेहता ने बताया कि शोध में यह बात सामने आई है कि संस्कृत का उपयोग करने से दिमाग के तंतु जागृत होते हैं।

संस्कृत दिवस पर विश्वविद्यालय में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें निबंध प्रतियोगिता, छंद पाठ प्रतिस्पर्धा, श्लोक पाठ प्रतिस्पर्धा और व्याख्यानमाला शामिल थे। योग : कर्म कौशल तथा भारत की प्रतिष्ठा के लिए संस्कृत और संस्कृति की आवश्यकता जैसे विषयों पर निबंध लेखन आयोजित किया गया। भगवद गीता के द्वितीय अध्याय पर उल्लेखित श्लोकों पर आधारित श्लोकपाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई। डॉ नवीन दीक्षित ने संस्कृत और समाज का अपनी दृष्टि से अध्ययन करने पर जोर दिया।

रायसेन भास्कर

भोपाल, शुक्रवार 31 अगस्त, 2018 भाद्रपद कृष्ण पक्ष-5, 2075

मेजर ध्यानचंद्र की स्मृति में बच्चों ने खेली फुटबॉल

भास्कर संवाददाता | रायसेन

राजपाल आनंदीबेन के आव्हान पर सांची विश्वविद्यालय द्वारा सांची विधानसभा का गांव बिलारा गोद लिया हुआ है। यहां उनके द्वारा स्वास्थ्य और शिक्षा की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ खेल गतिविधियों को बढ़ाने के लिए प्रयास किए जा रहे है। इसी के तहत खेल दिवस को लेकर वहां के सामुदायिक भवन में कार्यक्रम रखा गया। और बच्चों को कोच की उपस्थिति में खेल भी खिलाए गए। इस दौरान हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले मेजर ध्यान चंद्र के तस्वीर पर फूल चढ़ाकर बच्चों को उनके बारे में जानकारी दी गई। इससे पहले विश्वविद्यालय द्वारा बिलारा गांव में वहां के रहवासियों की सुविधा के लिए स्वास्थ्य शिविर भी लगा चुका है। इस तरह आने वाले समय में शिक्षा, रोजगार, कुटीर उद्योग, महिला सशक्तिकरण को लेकर काम किया जा रहा है। इसी के तहत वहां खेल दिवस को लेकर फुटबॉल खेल रखा गया। इसमें गांव के करीब 80 बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मेजर ध्यान चन्द्र की स्मृति चित्र के माल्यार्पण और विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. यज्ञेश्वर शास्त्री की अध्यक्षता में सांची विश्वविद्यालय के खेल विभाग द्वारा किया गया।

सहायक खेल निर्देशक बोले

विश्वविद्यालय के खेल विभाग प्रमुख सहायक निर्देशक खेल विवेक पांडेय ने कहा कि एशियाड खेलो में भारत के अतुल्य प्रदर्शन की जमकर तारीफ करते हुए उसके लिए बनाई गई रणनीति और दिशा निर्देशों के बारे में जानकारी दी।

महिला सम्मान की ली शपथ

खेलों में भारतीय बेटियों के प्रदर्शन और हर बेटी के सामाजिक सम्मान के लिए सभागार में महिला रक्षा और उनके उत्थान के लिए सामूहिक तौर पर शपथ ली गई। इस दौरान सहायक खेल प्रभारी नीतू सिंह भी मौजूद थी।

आगामी दिनों में रखे जाएंगे ये कार्यक्रम: विश्वविद्यालय से सतत मूल्यांकन के प्रभारी सह संयोजक और कार्यपालन यंत्री विवेक तिवारी विश्वविद्यालय द्वारा आगामी सत्रों में संस्कार केंद्र स्थापना, विद्यार्थियों में खेल कौशल, राष्ट्र भक्ति समेत कई कार्यक्रम रखे जाएंगे।

भोपाल, शुक्रवार 31 अगस्त, 2018

अनूठी पहल मेजर ध्यानचंद्र की स्मृति में बिलारा गांव में खेल महोत्सव का आयोजन किया गया

पालक बनकर बिलारा गांव को संवारेगा सांची वि.वि

भास्कर संवाददाता | सलामतपुर

सांची विश्वविद्यालय द्वारा पालक बनकर गांव को सवारने व आदर्श बनाने की अनूठी पहल शुरू कर बिलारा गांव को गोद लिया गया है।

गांव में विश्वविद्यालय द्वारा स्वस्थ्य, शिक्षा, खेल व लघु कुटीर उद्योग स्थापित करने का लक्ष्य बनाया गया है। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद्र की स्मृति में खेल महोत्सव का आयोजन बिलारा गांव में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मेजर ध्यानचंद्र के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आचार्य प्रो. यज्ञेश्वर शास्त्री ने की। कार्यक्रम आयोजन खेल विभाग द्वारा किया गया। कुलपति ने बिलारा गांव में टीबी मरीज को बीमारी से उबरने के बाद शरीर को सशक्त बनाने आवश्यक औषधि और पौष्टिक आहार प्रदान किया। खेल विभाग प्रमुख सहायक निर्देशक विवेक पाण्डेय ने अपने वक्तव्य में वर्तमान एशियाड खेलों में भारत के अतुल्य प्रदर्शन और उसके लिए रणनीति व दिशा निर्देशों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में महिला रक्षा व उत्थान की सामूहिक शपथ ग्रहण की गई।

बिलारा गांव के प्राइमरी व मिडिल स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा बढ़ चढ़कर खेल में भाग लिया। आगामी सत्रों में संस्कार केंद्र स्थापना, विद्यार्थियों में योग और खेल कौशल, राष्ट्र भक्ति और वरिष्ठ गुरुजनों के सानिध्य पर कार्य किया जाना है। कार्यक्रम का समापन विश्व विद्यालय द्वारा पौष्टिक आहार, फल वितरण और श्री पाण्डेय के मार्गदर्शन में ग्राम बिलारा को खेलों में उत्कृष्ट खेल ग्राम बनाने के संकल्प के साथ हुआ।

बिलारा गांव में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

राज एक्सप्रेस
सीहोर-विदिशा-रायसेन
भोपाल | शुक्रवार, 31 अगस्त, 2018

मेजर ध्यानचंद्र की स्मृति में खेल महोत्सव का आयोजन

रायसेन ■ राज न्यूज नेटवर्क

प्रधानमंत्री के सपने एक भारत सर्वश्रेठ भारत को साकार करने व राजभवन के निर्देशानुसार साँची विश्विद्यालय की एक ग्राम के पालक बनकर सवारने व आदर्श बनाने की अनूठी पहल के तत्वावधान में साँची विवि द्वारा ग्राम बिलारा पोस्ट माखनी जिला रायसेन को गोद लिया गया है। उक्त ग्राम में विवि द्वारा स्वस्थ्य,शिक्षा, खेल व दक्षता प्रोत्साहन तथा लघु कुटीर उद्योग रोजगर प्रशिक्षण एवं कुटीर संस्थान, स्थापन को लक्ष्य बनाया गया है। इसके चरणबद्ध विकास में विवि द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के पावन पर्व पर हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद्र की स्मृति में खेल महोत्सव का आयोजन ग्राम बिलारा में किया गया। कार्यक्रम का शुभारभ मेजर ध्यानचंद की स्मृति चित्र के माल्यापर्ण और विवि के कुलपति डॉ. आचार्य प्रो. यज्ञेश्वर शास्त्री की आध्याक्षता में सांची विवि के खेल विभाग द्वारा किया गया। विवि के खेल विभाग प्रमुख सहायक निदेशक खेल विवेक पाण्डेय द्वारा अपने सशक्त वक्तव्य में वर्तमान एशियाड खेलो में भारत के अतुल्य प्रदर्शन और उसके लिए वांछित रणनीति और दिशा निर्देशों पर प्रकाश डाला। खेलो में भारतीय बेटियों के प्रदर्शन और हर बेटी के सामाजिक सम्मान हेतु सभागार ने स्त्री रक्षा और उत्थान की सामूहिक शपथ ग्रहण की गयी। श्री पाण्डेय द्वारा साँची ताइक्वांडो का विशेष सम्मान और उज्जवल भविष्य हेतु पुरस्कार राशी भेट की। कार्यक्रम का आभार विवि की सहायक खेल प्रभारी सुश्री नीतू सिंह दिया गया। कार्यक्रम के उपरांत बिलारा के प्राइमरी और मिडिल स्कूल के विधियार्थियो द्वारा बढ़ चढ़कर खेल में भाग लिया और श्री पाण्डेय व विवि के पदाधिकरियो, सहयोगियों के माध्यम से खेल की मूलभुत बारीकिया और आवश्यक खेल भावना को सीखा। विवि की और से ग्राम बिलारा के सर्वांगीण विकास और सतत मुल्यांकन के प्रभारी सह संयोजक और कार्यपालन यंत्री विवेक तिवारी द्वारा विवि के ग्राम विकास और उत्थान की आगामी श्रंखला और उनके संभावित वांछित परिणामो और उक्त में विश्व विद्यालय के उद्देश्यों में सहायक होने पर प्रकाश डाला। विवि आगामी सत्रों में संस्कार केंद्र स्थापना, विद्यार्थियों में योग और खेल कौशल, राष्ट्र भक्ति और वरिष्ठ गुरुजनों के सानिध्य पर कार्य किया जाना है।

पीएम आवास योजना 300 मीटर में उलझी

सांची। बेघर लोगों को घर उपलब्ध कराने प्रधानमंत्री आवास योजना चलाई जा रही है जिससे बेघर लोगों का घर का सपना पूरा हो सके । परन्तु इस ऐतिहासिक नगरी में 6 सौ आवेदन मे से मात्र 68 आवेदन ही स्वीकृत किए जा सके है एवं शेष पुरातत्व विभाग के मन मर्जी के नियम के अंतर्गत पीएम आवास योजना भी खटाई मे पड़ती नजर आ रही है गरीबों का घर का सपना, सपना ही बनकर रह गया।बेघरों को घर का सपना पूरा करने प्रधानमंत्री आवास योजना पूरे देश भर में भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही है उसी कड़ी मे इस विश्व प्रसिद्ध नगरी में भी अनेकों बेघर इस योजना के तहत घर का सपना संजोए बैठे है घर के सपने को लेकर नगर परिषद मे लगभग 6 सौ आवेदन आये जिसमे प्रथम चरण मे 68 आवास स्वीकृत किए गए ये भी वह आवास है जो पुरातत्व विभाग के 3 सौ. मी. के दायरे से बाहर है जो वार्ड नं 1.2.3.12 मे है शेष आवेदन 3सौ. मी.के दायरे मे उलझकर रह गए। जबकि पुरातत्व विभाग अपने ही नियम को जनता तक स्पष्ट करने मे नाकाम रहा है बताया तो यहां तक जाता है कि पुरातत्व विभाग को स्वयं ही तीन सौ मीटर की जानकारी का अभाव है इस योजना को आये हुये लगभग एक वर्ष से अधिक का समय गुजर चुका है। एक वर्ष बीतने के बाद भी हितग्राहियों के खातो मे प्रथम किश्त के रूप मे राशि तो डाली गई है। परन्तु उस पर भी आहरण पर प्रतिबंध लगाया गया है इतना लंबा समय गुजरने के बाद भी नगरीय क्षेत्र मे एक भी आवास का भूमिपूजन किया जा सका है इन 68 आवासों की सूची में वही हितग्राही शामिल किए गए हैं। जिनके मकान कच्चे खपरेल वाले थे। हितग्राही अपने पक्के मकानों की आस लगाए बैठे हैं । इस नगर में स्वच्छता अभियान के अंतर्गत बनने वाले शौचालय के लगभग 6 सौ आवेदन प्राप्त हुये थे। परन्तु इसमे भी 533 स्वीकृत किए गए थे।

भोपाल, शुक्रवार 31 अगस्त 2018
haribhoomi.com
रायसेन जिला हरिभूमि 14

सांची विश्वविद्यालय के गोद लिए गांव में आयोजित हुईं विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं

मेजर ध्यानचंद की स्मृति में खेल महोत्सव आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ सलामतपुर

प्रधानमंत्री के सपने एक भारत सर्वश्रेठ भारत को साकार करने राजभवन के निर्देशानुसार सांची विश्वद्यालय की ग्राम के पालक बनकर सवारने व आदर्श बनाने की अनूठी पहल के तत्वाधान में ग्राम बिलारा जिला रायसेन को गोद लिया गया है। उक्त ग्राम में विश्विद्यालय द्वारा स्वस्थ्य, शिक्षा, खेल व दक्षता प्रोत्साहन तथा लघु कुटीर उद्योग/रोगजार प्रशिक्षण एवं कुटीर संस्थान, स्थापन को लक्ष्य बनाया गया है। इसके चरणबद्ध विकास में विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद्र की स्मृति में खेल महोत्सव का आयोजन ग्राम बिलारा में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मेजर ध्यानचन्द्र के चित्र पर माल्यार्पण और विश्विद्यालय के कुलपति डॉ. आचार्य, प्रो. यज्ञेश्वर शास्त्री की अध्याक्षता में साँची विश्विद्यालय के खेल विभाग द्वारा किया गया। कुलपति द्वारा उद्बोधन में कहाकि स्वस्थ मन स्थिति एकाग्रता और शारिरिक बलिष्ठता में खेल की स्थिति। खेल से आत्मीय शांति और सहृदय भावना विकास से एकजुटता। खेलो द्वारा राष्ट्रीय एकीकरण और राष्ट्र गौरव का ध्यय पूर्ति। प्रधानमंत्री के खेलो इंडिया की परिपाटी पर हर एक विद्यार्थी एक खेल का मकसद निर्धारित करना चाहिए।

कार्यक्रम में भारी संख्या में उपस्थित लोग

खेल से भूख जागृत होने व संतुलित पौष्टिक आहार सेवन पर चिंतन कुलपति द्वारा ग्राम बिलारा में एक टीवी मरीज को टीवी की बीमारी से उबर ने के उपरांत दुर्बल शरीर को सशक्त बनाने हेतु आवश्यक औषधि और पौष्टिक आहार प्रदान करने में पालक की भूमिका का वहन किया जा रहा है।

विश्विद्यालय के खेल विभाग प्रमुख सहायक निर्देशक खेल विवेक पाण्डेय द्वारा अपने सशक्त वक्तव्य में वर्तमान एशियाई खेलो में भारत के अतुल्य प्रदर्शन और उसके लिए वांछित रणनीति और दिशा निर्देशों पर प्रकाश डाला। श्री पाण्डेय द्वारा साँची ताईक्वांडो का विशेष सम्मान और उज्जवल भविष्य हेतु पुरस्कार राशि भेंट की।

भोपाल जनपदस्य ग्रामबिलारा सांची बौद्ध भारतीय ज्ञानाध्ययनविश्वविद्यालयेन सपोषितः स्यात् तदर्थे कुलपति महाभागाः ग्रामीणैः सह विशेषवार्षिकक्रीडादिवसे मनोविनोदे व्यस्ताः। राष्ट्रीय क्रीडा दिवसपालनं च कृतयन्तः।